सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली –११००९२

सत्र: २०२४-२०२५

कक्षा:- पाँचवीं **विषय: हिंदी व्याकरण** **पाठ: भाषा और व्याकरण**

परिभाषा:-भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम अपने विचारों तथा भावों को दूसरों तक पहुँचाता हैं , तथा दूसरों के विचारों और भावों को समझते हैं।

भाषा के रूप:-भाषा के दो रूप होते हैं।

१-मौखिक भाषा

२-लिखित भाषा

क -मौखिक भाषा:-जब हम अपने विचारों को बोल कर प्रकट करते हैं , तथा दूसरों के विचारों को सुनकर समझते हैं, तो भाषा के इस रूप को मौखिक भाषा कहते हैं। जैसे- भाषण देना

ख-लिखित भाषा:-जब हम अपने विचारों को लिखकर प्रकट करते हैं तथा दूसरों के विचारों को पढ़कर समझते हैं, तो भाषा के इस रूप को लिखित भाषा कहते हैं। जैसे- पत्र लिखना

बोली:-भाषा का मौखिक रूप बोली कहलाता है इसका प्रयोग कुछ सीमित क्षेत्रों में ही किया जाता है ,क्योंकि यह भाषा का मौखिक रूप होता है, इसलिए इसमें किसी साहित्य की रचना नहीं की जाती है ।कुछ प्रमुख बोलियाँ हैं- हरियाणवी, छत्तीसगढ़ी ,मगही ,मैथिली, बुंदेलखंडी आदि

****भारत में बाइस(२२) भाषाओं को मान्यता दी गई है।**

**१४ सितंबर १९४९ को भारत में हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में मान्यता दी गई ।प्रतिवर्ष १४ सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

लिपि:-किसी भी भाषा को लिखने के लिए बनाए गए चिह्न लिपि कहलाते हैं ।प्रत्येक भाषा की अपनी एक विशेष लिपि होती है।

भाषा	लिपि
हिंदी तथा संस्कृत	देवनागरी
गुजराती तथा मराठी	देवनागरी
उर्दू	फ़ारसी
अंग्रेज़ी	रोमन
पंजाबी	गुरुमुखी

व्याकरण:-किसी भी भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराने वाला शास्त्र व्याकरण कहलाता है।